संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, राँची - 4

2020 - 21

मॉडल उत्तर

पाठ – 9, क्रियाविशेषण

कक्षा- चार

विषय- हिंदी

पुस्तक – नवरत्न हिंदी व्याकरण एवं रचना – भाग - 4

1. सही विकल्प पर चिह्न (√) लगाइए –

(क)	स	क्रियाविशेषण
(ख)	ब	चार
(ग)	ब	कालवाचक
(घ)	अ	स्थानवाचक
(ङ)	ब	परिमाणवाचक

2. इन प्रश्नों के उत्तर अपनी पाठ्य पुस्तक की सहायता से दीजिये।

3. नीचे दिए गए क्रियाविशेषणों को खाली स्थानों में भरिए –

(क) अभी-अभी
(ख) आस पास
(ग) तेज
(घ) कल
(ङ) अचानक
(च) जल्दी
(छ) धीरे-धीरे

4. सही कथन के आगे (√) तथा गलत कथन के आगे (X) का चिह्न लगाइए –

(क) √
(ख) X
(ग) X
(घ) X

5. इन वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्दों के नीचे रेखा खींचिए और लिखिए –

(क) अचानक
(ख) देर
(ग) स्वादिष्ट
(घ) जोर-जोर
(ङ) प्रतिदिन
(च) आज

6. नीचे दिए गए वाक्यों में क्रियाविशेषण लगाकर पुनः वाक्य लिखिए –

(क) गिलास में थोड़ा दूध है।
(ख) कुत्ता जोर-जोर से भौंकने लगा।
(ग) शेर जोर से दहाड़ता है।
(घ) राधा मधुर गाना गाती है।
(ङ) वह बहुत बीमार हो गया।

प्रस्ताव लेखन: प्रदूषण की समस्या

प्रदूषण का अर्थ है – विशेष प्रकार का दूषण या गंदगी। संसार आज औद्योगिक दिशा में तेज़ी से उन्नति कर रहा है। भारत में भी गत पचास वर्षों में औद्योगिक क्रांति आई है। गत वर्षो में जंगल का सफ़ाया हुआ है। जनसंख्या विस्फोट के कारण रहने के लिए ज़मीन की आवश्यकता तेज़ी से बढ़ी है। जंगल काटकर खेती के लिए भूमि तैयार की गई, उद्योग-धंधे पनपे और इसी प्रकार बढ़ती आबादी से तरह-तरह की समस्याएँ बढ़ीं। इन सब कारणों से धरती जलवायु सब प्रदूषित हो गए और आज प्रदूषण एक विकट समस्या के रूप में फैल गया है।

आज नगरों में कारखानों तथा वाहनों से उगलता धुआँ, वायु में साफ़ देखा जा सकता है। तेज़ आवाज़, बदबू, गंदगी ने आम जन का जीवन दूभर बना दिया है। आज हमारे देश में चार प्रकार का प्रदूषण दिखाई देता है– भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, और ध्वनि प्रदूषण।

नगरों के विस्तार से कचरा तथा नालियों के पानी से भूमि प्रदूषित हो गई है। तरह-तरह के कीटनाशी रसायन धरती को गंदा कर रहे हैं। लोगों को रहने के लिए जगह की कमी है। ये कचरा, गंदगी वायु को भी प्रदूषित कर रहे हैं। वाहन तथा कारखानों का धुआँ, जहरीली गैसें भी वायु को गंदा करती रहती हैं। आज तो पीने के लिए स्वच्छ जल का भी अभाव है। एक तो वृक्ष कटने से मौसम चक्र बदल गया। वर्षा का भी अभाव हो गया है तथा जल की खपत बढ़ गई है उन्हीं कारणों से नदियाँ सूख गई हैं दूसरा नगरों को दूषित मलयुक्त निकास हुआ जल भी नदियों में बहाया जाता है तथा कारखानों के अवशेष भी पानी में छोड़ दिये जाते हैं इससे जल भी दूषित हो गया है।

कारखानों, वाहनों, लाउडस्पीकरों आदि के शोर से आज कान फटने लगते हैं। इस प्रकार जल थल वायु सभी प्रदूषित हो गए हैं। प्रदूषण से अनेक प्रकार की बीमारियाँ पैदा होती जा रही है।

प्रदूषण से निपटने के लिए आज विश्व स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारे देश में भी वृक्षारोपण तथा जल संरक्षण के अभियान चलाए जा रहे हैं। चिपको आंदोलन जैसे अनेक आंदोलनों के माध्यम से वृक्षों की कटाई को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। आज प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में पेड़-पौधे लगाए जाते हैं। जुलाई माह में वन महोत्सव मनाए जाते हैं। आज देश में पर्यावरण के प्रति लोग सतर्क हो गए हैं।

विद्यार्थियों को भी प्रदूषण रोकने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए। उन्हें आसपास फैली गंदगी को रोकने का प्रयास करना चाहिए तथा नदियों को दूषित होने से बचाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस तरह आम आदमी के स्तर पर प्रयास होगा तभी पर्यावरण प्रदूषण की समस्या से निपटा जा सकेगा।

========xxxx=========